

no. 113

॥अहस्त्रिकयति॥ गणेशाय नमः ॥ मेषसंक्रांतौ छायापादौ परिदिनमतः तथा चोषघटापजादिघटिका ॥

मेघसंक्रांतौ

२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२
१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०	३१	३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७
३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०

वृषसंक्रांतौ

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०	३१	३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७
३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०

मिथुनसंक्रांतौ

०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०	३१	३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७
३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०

कर्कसंक्रांतौ

०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०	३१	३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७
३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०

EX LIBRIS
PAPAS ELEGANTISSIMO

सिंहसंक्रांती

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	
१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	

कन्यासंक्रांती

२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	
१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
३५	३४	३३	३२	३१	३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३

तुलासंक्रांती

४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	
१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	
२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०	१	२	३	४

दशैकसंक्रांती

५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५
१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	१	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०

धनसंक्रांती

5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100					

मकरयंत्रकृति

5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35
13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43
26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56

कुंतसंक्रांता

4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

ज्ञानसंक्रांति

8	4	5	9	6	7	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34
18	12	11	10	9	8	7	6	5	4	3	2	1	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
09	41	24	9	20	35	48	20	10	24	20	11	28	6	43	80	26	9	5	43	80	32	24	12	9	1	45	41	8		

ल

॥ मेघादिके सायन नागस्येदिना ध्यानापलना नवे सानि स्थाहता स्पुर्दश निरु नौ दिशि श्वराधी निगुणो धृती त्याह ॥
 ॥ अथ नयुत कौटुम्भिकारो सुसंख्या चरम कलयति श्वा रुक्मपे मारो धाताह गगनगुण वितागो युक् चरं स्यादृणं स्व
 वति च खलु स्या फो लयो सत्पलाद्य ॥ १ ॥ युक् विद्वानाश्चरना फिकाति पंचेदुनाम् क्रमशो नवेता ॥ द्युरात्रि वं
 खलु सोम्यगे के यो म्यन्यथाति परि हल्यहस्त ॥ ३ ॥ ॥ परदिने सदिने न विवर्क तदशगुणं विद्वत्तद्वदल प्रता ॥ ४ ॥
 इष्टप्रतामध्यपदा विद्वाना न गत युक् विगुणा तया न्ने दिन प्रमाण गुणितं मुनो दिः पृथापराधी गत शेषताम् ॥ ५ ॥

५०५ २०

३